खबर संक्षेप

ऊर्जा संरक्षण संवाद विद्यार्थियों ने लिया ऊर्जा बचाने का संकल्प

शहडोल। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग की सेवा पखवाड़ा योजना 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 के अंतर्गत पं. शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल के भौतिक शास्त्र विभाग में 23 सितम्बर को ऊर्जा संरक्षण संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कुलगुरु प्रो. रामशंकर के मार्गदर्शन एवं कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन विभागाध्यक्ष प्रो. प्रवीण कुमार शर्मा ने दिया। उन्होंने ऊर्जा संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए विद्यार्थियों को इसके लिए जागरूक होने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि प्रो. उमा सिंह (वनस्पति शास्त्र विभागाध्यक्ष) ने ऊर्जा बचत और दैनिक जीवन के बीच गहरे संबंध पर प्रकाश डाला। वहीं प्रो. जी.एस. संध्या ने विद्यार्थियों को ऊर्जा के सुव्यवस्थित और संतुलित उपयोग का महत्व समझाते हुए उन्हें व्यवहारिक जीवन में इसे अपनाने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम की विशेषता बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। पीजी प्रथम वर्ष की छात्रा काजल पाठक ने प्रभावी प्रेजेंटेशन प्रस्तुत कर ऊर्जा संरक्षण के वैज्ञानिक पक्षों पर प्रकाश डाला। छात्र अभिषेक द्विवेदी ने ऊर्जा बचाओ, प्रकृति बचाओ का नारा देकर सभी को प्रेरित किया। डॉ. प्रीति पांडेय के निर्देशन में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों की उत्सुकता और ज्ञान को परखा। प्रतियोगिता में चार टीमों ने भाग लिया, जिसमें टीम बी विजेता रही। विजेता टीम को सम्मानित भी किया गया। मंच पर डॉ. मौशमी, अनुराग पांडेय, मिसेज सौम्या सिंह, मिसेज इशिका मिश्रा और मिस स्मिता गुप्ता की उपस्थिति रही। मंच संचालन का कार्य मिसेज इशिका मिश्रा ने किया। अंत में विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से ऊर्जा संरक्षण का संकल्प लिया। विभाग के समस्त प्राध्यापकों और शिक्षकों ने एक स्वर से संदेश दिया कि ऊर्जा बचत केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर साबित होगी।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के दूर-दराज के क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में ग्राम असवारी निवासी रामरती सिंह ने पीएम आवास की तृतीय किश्त दिलाने, ग्राम चुहिरी निवासी सुमन नापित ने मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता की राशि दिलवाने, अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ निवासी मंगरूराम भगत ने स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के उपरांत लंबित राशि का भुगतान कराने हेतु आवेदन जनसुनवाई में दिए। कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शहडोल में होगा 29 वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2026 का आयोजन

शहडोल। आगामी वर्ष 12 जनवरी 2026 से देशभर में मनाया जाने वाला 29वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव अब शहडोल जिले में भी धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन की जानकारी देते हुए जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी शहडोल ने बताया कि स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी पूरे देश में राष्ट्रीय युवा सप्ताह मनाया जाएगा, जिसके अंतर्गत सांस्कृतिक और नवाचार थीम पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा इस महोत्सव में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। प्रतियोगिताएं भाषण, कहानी लेखन, कविता लेखन, पेंटिंग, समूह लोकनृत्य, समूह लोकगीत तथा विज्ञान मेला प्रस्तुति जैसे सात विधाओं में होंगी। जिले में इस आयोजन की रूपरेखा तय कर दी गई है। कार्यक्रम का आयोजन जिला स्तर पर 1 से 6 नवंबर 2025, संभाग स्तर पर 6 से 10 नवंबर, राज्य स्तर पर 12 से 14 नवंबर 2025 और राष्ट्रीय स्तर पर 10 से 12 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में होगा।

अवैध रजिस्ट्री और नामांतरण पर उठे सवाल

कुख्यात भू-माफिया पर प्रशासन का शिकंजा

कारण बताओ नोटिस जारी

जिला प्रशासन ने आखिरकार उस कुख्यात भू-माफिया पर बड़ा वार किया है, जिसका नाम वर्षों से आदिवासी जमीन हड़पने और फर्जी रजिस्ट्री कराने में सामने आता रहा है।

शहडोल।

जिले के कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने 12 सितंबर 2025 को जारी कारण बताओ नोटिस में साफ शब्दों में लिखा है कि राजेश कुमार मिश्रा ने भू-राजस्व संहिता और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं का खुला उल्लंघन करते हुए आदिवासी वर्ग की जमीनें हड़पीं, फर्जी नामांतरण कराए और करोड़ों का अवैध कारोबार खड़ा कर लिया। अब उन पर सेवा प्रदाता पंजीयन और लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही शुरू हो चुकी है।

नोटिस ने खोली राजस्व नेटवर्क की पोल

कलेक्टर कार्यालय से जारी नोटिस ने जिले में चल रहे भूमाफिया-राजस्व गठजोड़ की परतें उधेड़ दी हैं। यह नोटिस सीधे-सीधे मिश्रा को थमाते हुए बताता है कि उन्होंने अनुसूचित जनजाति की जमीनें खरीदकर और नामांतरण कराकर नियमों का खुला उल्लंघन किया। न सिर्फ सरकारी और आदिवासी जमीनें हड़पी गईं, बल्कि उन पर कॉलोनियां और भवन खड़े कर गैरकानूनी रियल एस्टेट कारोबार किया गया।

पुराने रिकार्ड बने सबूत

नोटिस में दर्ज तथ्यों के अनुसार 1968 और 1991 के नामांतरण रिकार्ड से यह साफ हुआ कि मिश्रा के नाम पर विवादित जमीनें दर्ज की गईं। जांच में पाया गया कि उन्होंने मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 165(6) का उल्लंघन कर अनुसूचित जनजाति की भूमि पर कब्जा किया। यही नहीं, वर्तमान अभिलेखों में भी विवादित जमीनें उनके नाम दर्ज हैं। प्रशासन ने चेताया है कि यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं बल्कि दंडनीय अपराध है।

पूरा परिवार बना 'जमीन कारोबारी'

सूत्र बताते हैं कि मिश्रा अकेले नहीं, बल्कि पूरा परिवार इस खेल में संलिप्त है। उनके भाई और रिश्तेदार भी जमीन कारोबार में लगे हुए हैं। वकीलों और ऑनलाइन रजिस्ट्री वेंडरों से लेकर तहसील, पटवारी और एसडीएम कार्यालय तक एक संगठित नेटवर्क खड़ा किया गया। इस नेटवर्क की मदद से शहडोल जिले में जमीनों का 'होलसेल कारोबार' चला—करोड़ों की जमीनें खरीदी-बेची गईं। यहां तक कि पुराने एयरप्लेन शेड्यूल की जमीनों पर भी

कब्जा कर लिया गया।

कानूनी धाराओं का शिकंजा

जारी नोटिस में कहा गया है कि मिश्रा का यह कृत्य न केवल भू-राजस्व संहिता 1959 का उल्लंघन है, बल्कि भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराओं के अंतर्गत भी गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। नोटिस में दो सीधे सवाल पूछे गए हैं, जिसमें उल्लेख है कि क्यों न आपके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए? क्यों न आपकी सेवा प्रदाता पंजीयन/लाइसेंस को तत्काल निरस्त किया जाए? यह सवाल सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रशासन की ओर से कठोरतम कार्रवाई का संकेत हैं। यदि इन धाराओं में प्रकरण दर्ज होता है तो श्री मिश्रा न केवल लाइसेंस से हाथ धो बैठेंगे, बल्कि जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है।

...तो सबसे बड़ा भू-माफिया

स्थानीय लोगों का कहना है कि श्री मिश्रा वर्षों से जिले के सबसे बड़े भू-माफिया के रूप में जाने जाते हैं। उनके खिलाफ दर्जनों शिकायतें हुईं, लेकिन हर बार उनका नेटवर्क और दबदबा मामलों को दबा देता। लोग शिकायत करने से भी डरते थे, क्योंकि नामांतरण से लेकर रजिस्ट्री तक हर प्रक्रिया उनके पक्ष में सेटिंग से पूरी कराई जाती थी। आदिवासी वर्ग की जमीनें एक के बाद एक उनके नाम दर्ज होती गईं और गरीबों की पुश्तैनी संपत्ति कुछ ही सालों में कागजों से गायब हो गई।

भूमाफियाओं में खलबली

राजेश कुमार मिश्रा पर कार्रवाई ने जिलेभर के अन्य भू-माफियाओं में भी खलबली मचा दी है। लंबे समय से जमीनों को लूट-खसोट कर कागजों पर कब्जा करने का सिलसिला चला आ रहा था। अब प्रशासन की इस सख्ती ने संकेत दिया है कि नियमों से खिलवाड़ करने वाले किसी को नहीं बख्शा जाएगा। जनता चाहती है कि केवल नोटिस पर ही कार्रवाई खत्म न हो, बल्कि ठोस नजीर पेश की जाए। जिन अफसरों और कर्मचारियों की मिलीभगत से यह गोरखधंधा फला-फूला, उन्हें भी कठघरे में खड़ा किया जाए। करोड़ों की जमीनें हड़पकर अवैध प्लॉटिंग करने वालों को सजा मिले, तभी जनता का भरोसा प्रशासन पर कायम होगा।

सनसनी और उम्मीद

इस बार जब कलेक्टर ने सीधे मोर्चा खोला, तो जिले भर में सनसनी फैल गई है। श्री मिश्रा के खिलाफ जारी नोटिस ने उनके नेटवर्क की जड़ें हिला दी हैं। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार मामला दबाया नहीं जाएगा। जनता खुलकर इस कार्रवाई का समर्थन कर रही है और यह मांग जोर पकड़ रही है कि मिश्रा समेत पूरे नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई हो।

ज्यादा दिन नहीं चलेगा भू-माफिया का खेल

शहडोल में आदिवासी जमीनों की लूट केवल एक व्यक्ति की करतूत नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की विफलता का आईना है। मगर इस बार जिला प्रशासन का कदम उम्मीद जगा रहा है। कारण बताओ नोटिस ने साबित कर दिया है कि भू-माफियाओं का खेल अब ज्यादा दिन नहीं चलेगा। यदि इस बार प्रशासन ने सख्ती बरकरार रखी तो शहडोल में न केवल श्री मिश्रा का साम्राज्य ढहेगा बल्कि अन्य भू-माफियाओं के हौसले भी पस्त होंगे। जनता यही चाहती है कि अवैध कब्जाधारियों को सख्त सजा मिले और आदिवासी जमीनें वापस अपने हकदारों तक पहुंचें।

6 किलो गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

शहडोल।

जिले में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। ब्योहारी पुलिस ने रेलवे स्टेशन क्षेत्र में दबिश देकर एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 6 किलो 440 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। पकड़े गए नशीले पदार्थ की कीमत लगभग एक लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस की यह कार्रवाई नशे के कारोबार पर करारा प्रहार मानी जा रही है।

मामला 22 सितंबर 2025 का है, जब थाना ब्योहारी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक महिला गांजा लेकर ग्राहकों को बेचने जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक शहडोल रामजी श्रीवास्तव एवं एसडीओपी ब्योहारी मुकेश अबिंद्रा के निर्देशन में थाना प्रभारी अरुण कुमार पांडेय और उनकी टीम ने घेराबंदी कर कार्रवाई की। रात 9:05 बजे से शुरू हुई यह कार्यवाही 9:50 बजे तक चली और संदिग्ध महिला को रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक मकान से हिरासत में लिया गया।

तलाशी के दौरान महिला के कब्जे से सीमेंट से भरी बोरी में रखे 6 किलो 440 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला का नाम परेश्वरी बाई सवल उम्र 33 वर्ष, निवासी मोतियाबंद, थाना जनकपुर, जिला मनेंद्रगढ़-छत्तीसगढ़ है। बरामद गांजे को कब्जे में लेकर महिला को मादक पदार्थ अधिनियम की धारा 8/20 के तहत गिरफ्तार किया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी महिला लंबे समय से गांजे की तस्करी में सक्रिय थी और शहडोल सहित आसपास के क्षेत्रों में इसकी सप्लाई करती थी। उसकी गिरफ्तारी से नशे का नेटवर्क तोडऩे में मदद मिलेगी। पुलिस टीम ने कार्रवाई को पूरी सतर्कता और गोपनीयता के साथ अंजाम दिया, ताकि आरोपी को भनक न लगे।

आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। साथ ही पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। पुलिस अधीक्षक शहडोल रामजी श्रीवास्तव ने टीम की सफलता पर संतोष जताते हुए कहा कि नशे के खिलाफ हमारी लड़ाई लगातार जारी रहेगी। जिले के युवाओं को नशे से बचाना पुलिस की प्राथमिकता है और इस दिशा में सख्त निगरानी रखी जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अरुण कुमार पांडेय, उप निरीक्षक जितेंद्र पटेल, प्रधान आरक्षक सुरेश कुमार, आरक्षक अमर सिंह, अनूप सिंह, संतोष सिंह, रामसागर सिंह एवं महिला आरक्षक सहित पूरी टीम की भूमिका सराहनीय रही।

इस सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि शहडोल पुलिस नशे के कारोबारियों को किसी भी कीमत पर बख्शने वाली नहीं है। आम नागरिकों ने भी इस उपलब्धि पर पुलिस की तत्परता की सराहना करते हुए राहत की सांस ली है।

शहडोल में सूदखोरी का काला खेल

धीरज के खिलाफ उठी सख्त कार्रवाई की मांग

शहडोल।

जिले में सूदखोरी का कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है और इसकी जड़ें अब आम परिवारों की जिंदगियां तबाह कर रही हैं। हाल ही में सामने आए एक मामले ने इस गंदे कारोबार का काला चेहरा उजागर कर दिया है। शहडोल के कुख्यात सूदखोर धीरज पर आरोप है कि उसने जरूरतमंद महिला से गहनों के एवज में 5 प्रतिशत की दर पर कर्ज दिया और अब गहनों को गबन कर गहना डूब गया कहकर साफ मुकर गया है।

पीड़िता के अनुसार उसने धीरज को करीब आठ लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहने रखकर पांच लाख रुपये नगद लिए थे। धीरे-धीरे तीन लाख रुपये लौटाने के बाद जब उसने शेष दो लाख रुपये देकर गहना वापस मांगना चाहा, तो धीरज ने न केवल गहना देने से इनकार कर दिया, बल्कि अपशब्द बोलते हुए फोन तक ब्लॉक कर दिया। महिला के मुताबिक, यह गहना उसके माता-पिता ने उसे दिया था, लेकिन अब धीरज सोनी ने उसे हड़पने का षड्यंत्र रचा है।

यह कोई अकेला मामला नहीं है। धीरज सोनी का यह सूदखोरी का खेल लंबे समय से चल रहा है। जिले में ऐसे कई लोग हैं जो आर्थिक तंगी के चलते उसके जाल में फंसे और आज भी ठगे जाने की पीड़ा झेल रहे हैं। गहनों और संपत्ति को गिरवी रखवाकर वह लोगों से मोटा ब्याज वसूलता है और जब पीड़ित अपने गहने या रकम वापस मांगते हैं, तो उन्हें डराने-धमकाने से लेकर गहनों के डूब जाने जैसे बहाने बनाए जाते हैं।

धीरज का यह नेटवर्क न केवल कानून का मखौल उड़ाता है, बल्कि सीधे-सीधे आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आता है। मध्यप्रदेश सूदखोरी प्रतिषेध अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की धाराएं साफ कहती हैं कि अवैध ब्याजखोरी और गहनों की हेराफेरी गंभीर अपराध है। इसके बावजूद, अब तक इस धंधे पर कोई ठोस कार्रवाई न होना प्रशासन और पुलिस की लापरवाही को उजागर करता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि धीरज वर्षों से इस गोरखधंधे में सक्रिय है, इस सूदखोरी के खेल में शहर का प्रतिष्ठित ज्वेलर्स भी धीरज के साथ सक्रिय है। धीरज जरूरतमंदों को पहले अपने जाल में फंसाता है और बाद में कुंदन के साथ मिलकर उनकी लाचारी का फायदा उठाकर गहने हड़प लेता है। पीड़ित लोग सामाजिक दबाव और बदनामी के डर से सामने नहीं आ पाते, लेकिन अब जब यह मामला उजागर हुआ है, तो जिले में सूदखोरी के खिलाफ आवाज बुलंद होने लगी है। लोगों की मांग है कि पुलिस अधीक्षक शहडोल इस मामले की निष्पक्ष जांच कराएं। अगर जांच ईमानदारी से हुई तो दर्जनों और पीड़ित सामने आएंगे, जिन्हें अब तक न्याय नहीं मिला। पुलिस को चाहिए कि तत्काल धीरज के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर उसकी संपत्ति और नेटवर्क की गहन जांच करे। शहडोल में बढ़ती सूदखोरी ने आमजन का जीना दूभर कर दिया है। ऐसे हालात में अगर पुलिस सख्ती नहीं दिखाती, तो यह गोरखधंधा और फैलता जाएगा। जनता को अब यही उम्मीद है कि प्रशासन इस मामले को दबाने के बजाय कठोर कदम उठाएगा और धीरज जैसे सूदखोरों को जेल की सलाखों के पीछे भेजकर एक मिसाल कायम करेगा।

बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में मनमानी का आलम, स्टाफ परेशान

शहडोल।

बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में मनमानी और नियमों की धज्जियां उड़ाए जाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कॉलेज में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारी लगातार शिकायतें दर्ज करा रहे हैं कि वरिष्ठ अधिकारियों के इशारे पर कुछ चुनिंदा लोगों को मनमाने तरीके से फायदा पहुंचाया जा रहा है। वहीं, नियमों की अनदेखी कर पदों पर पदस्थापना की जा रही है, जिससे मेहनत करने वाले वास्तविक कर्मचारी तनाव में काम करने को मजबूर हैं। जिले की नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन की अध्यक्ष ने भी इस अव्यवस्था को लेकर घोर आपत्ति जताई है। संगठन ने साफ कहा है कि नियमों के विपरीत पदस्थापना और पक्षपात के कारण अस्पताल का कार्य प्रभावित हो रहा है। पत्र में स्पष्ट उल्लेख है कि शासन के आदेशों के विरुद्ध जाकर कुछ लोगों को लाभ दिया गया है। वहीं, लंबे समय से सेवा कर रहे कर्मचारियों की अनदेखी की जा रही है। जिससे की संस्था की छवि भी धूमिल हो रही है।

दबंगई और पक्षपात से बढ़ रहा विवाद

प्राप्त शिकायत पत्रों में कहा गया है कि अस्पताल में आउटसोर्सिंग व्यवस्था का गलत तरीके से दुरुपयोग हो रहा है। एक ओर जहां निचले स्तर के कर्मचारियों को आए दिन धमकाया और परेशान किया जाता है, वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक अधिकारियों से करीबी रखने वाले कुछ लोग नियमों को ताक पर रखकर पदों पर जमे हुए हैं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि ऐसे लोग खुलेआम दबंगई दिखाते हैं और उनकी शिकायत करने पर उल्टा कर्मचारियों पर ही कार्रवाई की धमकी दी जाती है। स्थिति यह है कि अस्पताल की कार्यप्रणाली पूरी तरह से प्रभावित हो रही है। नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो नर्सिंग स्टाफ आंदोलन की राह अपनाने को मजबूर होगा।

सवालों के घेरे में प्रबंधन

लगातार मिल रही शिकायतों ने बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज के प्रबंधन को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। स्वास्थ्य सेवाओं जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह की अव्यवस्था मरीजों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ के समान है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक मनमानी पर रोक नहीं लगेगी और पदस्थापनाओं में पारदर्शिता नहीं आएगी, तब तक कॉलेज और अस्पताल का माहौल ठीक नहीं हो सकता। कर्मचारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि नियमों का पालन कर निष्पक्ष व्यवस्था नहीं की गई, तो वे सामूहिक विरोध दर्ज कराने के लिए बाध्य होंगे। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और शासन इन गंभीर आरोपों पर कब तक कार्रवाई करता है।

24 घंटे में सराफा चोरी का पर्दाफाश, पांच आरोपी गिरफ्तार

उमरिया। जिले की कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सराफा व्यापारी की दुकान में हुई लाखों की चोरी का खुलासा कर दिया है। पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम व एसडीओपी डॉ. नागेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम ने घटना के 24 घंटे के भीतर पांच आरोपियों को दबोचते हुए चोरी गया पूरा मशरुका बरामद कर लिया।

घटना और मामला दर्ज

फरियादी आकाश सोनी निवासी वार्ड क्रमांक 08 पुराना पड़ाव ने 22 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 21-22 सितंबर की दरमियानी रात उनकी ज्वेलरी दुकान का ताला तोडक़र अज्ञात चोर लगभग 4 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण और अन्य सामान पार कर ले गए। शिकायत पर कोतवाली में धारा 331(4), 305 (ए) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस की पड़ताल और तकनीकी विश्लेषण

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदिग्धों की पहचान की। पूछताछ में पांच आरोपियों ने चोरी की वारदात कबूल की। उनकी निशानदेही पर चोरी गया पूरा माल बरामद किया गया।

आरोपी गिरफ्तार माल बरामद

आरोपियों के कब्जे से कुल 4 किलो चांदी के आभूषण, सोने की एक जोड़ी टॉप्स और मोबाइल फोन जब्त किए गए। बरामद सामग्री की कुल कीमत लगभग 4,50,000 रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार हुए आरोपियों में पुष्पेन्द्र महार निवासी ग्राम सिलपरी, शानू खान निवासी सुभाषगंज, . अमन महार, हर्षित महार निवासी ग्राम सिलपरी, गिरीश कुमार महार निवासी ग्राम पठारीखुर्द, उमरिया हैं।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

प्रकरण के खुलासे में निरीक्षक मदनलाल मरावी, उपनिरीक्षक भूपेन्द्र पंत, लखन सिंह, क्लेमेन्ट जॉन, संतबहादुर सिंह, पियूष गौतम, विनोद प्रजापति, शेख शाहिद, शिवशंकर सिंह सहित सायबर सेल व थाना स्टाफ के अनेक जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस अधीक्षक ने इस त्वरित और सफल कार्रवाई के लिए टीम की प्रशंसा की है। इस खुलासे ने न केवल व्यापारियों में भरोसा जगाया है, बल्कि अपराधियों को भी स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून की पकड़ से बचना आसान नहीं है।

खबर संक्षेप

चचाई पुलिस ने जुआरियों के विरुद्ध की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज चचाई। 21 सितम्बर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ईदगाह मेडियारास फुटबॉल ग्राउंड के पास कुछ जुआड़ियों के द्वारा पैसों का दाव लगाकर हार जीत का जुआ खेला जा रहा हैं। सूचना की तस्दीक हेतु मौके से पुलिस टीम पहुंचकर रेड कार्रवाई की गई तो 6 जुआड़ी मौके से मिले नाम पता पूछने पर अपना नाम संदीप सोनी पिता राम सुशील सोनी उम्र 35 वर्ष, मनीष मिश्रा पिता सीताराम मिश्रा उम्र 42 वर्ष, कृष्णकांत पटेल पिता स्वर्गीय भगवती पटेल, मुकेश मिश्रा पिता रामकरण मिश्रा उम्र 40 साल, राहुल पिता केशर सिंह बघेल उम्र 36 साल एवं तिलक राज पटेल पिता बोधे लाल पटेल उम्र 55 वर्ष सभी निवासी ग्राम मेडियारास के होना बताएं जिनके पास एवं फड से नगद 10,130 रुपए, चार मोटरसाइकिल, पांच नग मोबाइल फोन एवं 52 ताश के पत्ते कुल कीमत 2,57,230 रूपये मौके से जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय उपस्थित हेतु पाबंद किया गया। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 253/25 धारा 13 जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी सुंद्रेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक महिपाल प्रजापति, नागेश सिंह, रावेद्र तिवारी, प्रधान आरक्षक विकास, आरक्षक विवेक मिश्रा, राकेश द्विवेदी, नत्थू मोरे, दीपक मंडलोई, प्रकाश निनामा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गरीब को जागृति महिला समिति ने दिया सहारा

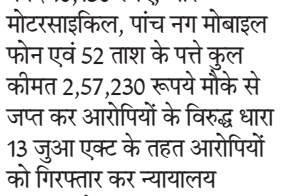

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। हसदेव क्षेत्र राजनगर अंतर्गत श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल, बिलासपुर' की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहनएवं सभी उपाध्यक्षाओं के मार्गदर्शन में 'जागृति महिला समिति, हसदेव क्षेत्र' की अध्यक्षा श्रीमती विनीता शर्मा एवं सदस्याओं के नेतृत्व में राजनगर में एक सामाजिक कार्य किया गया। इस अवसर पर समिति द्वारा जरूरतमंद व्यक्ति को 01 ठेला प्रदान किया गया ताकि वह आत्म निर्भर बन सके और अपने पैरों पर खड़े हो सके सब्जी और फल बेचकर अपने और अपने परिवार का भरण पोषण कर सके जरूरतमंद व्यक्ति के पास कोई भी स्थाई रोजगार नहीं था बारिश होने पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था वह नीचे बैठकर सब्जी बेचता था जिससे उसकी सब्जी खराब हो जाती थी महिला मंडल द्वारा जरूरतमंद व्यक्ति की मदद की गई। इस कल्याणकारी कार्य में श्रीमती विनीता शर्मा द्वारा शाल पुष्प माला एवं श्रीफल द्वारा उस व्यक्ति का सम्मान किया गया। इस दौरान श्रीमती विनिता शर्मा के साथ श्रीमती सरिता सिंह श्रीमती मृगनयनी मेघाली सुष्मिता मिश्रा पुष्पा नेता सुमन जाखड़ स्मिता प्रधान रिचा जिंदल तृप्ति पांडे चंद्रकला दुबे ब्यूटी उपस्थित रही। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति को सब्जी बेचने के लिए ठेला उपलब्ध कराया गया ताकि वह आत्मनिर्भर बन सके और अपनी आजीविका को सुदृढ़ कर सके। यह पहल स्थानीय स्तर पर 'स्वरोजगार' को बढ़ावा देने और जरूरतमंद परिवार को स्थायी सहारा प्रदान करने की दिशा में एक छोटा परंतु महत्वपूर्ण कदम है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

कोतमा। मंगलवार को जनपद कोतमा के बैहाटोला ग्राम पंचायत स्थित शासकीय हाई स्कूल में अदाणी फाउंडेशन द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में स्कूल के छात्र-छात्राओं सहित आसपास की शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ साथ ग्रामीणजनो की आंखों की जांच की गई तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे वितरण के साथ उपयुक्त सलाह दी गयी।

अवैध रेत खनन से हलफल नदी छलनी

विभागों की मिली भगत ने खोखला किया तंत्र

नदियों पर मौत का साया

जयसिंहनगर। विकास खण्ड की नदियां आज जीवनदायिनी धारा नहीं बल्कि लूट और लालच की शिकार बन चुकी हैं। कभी जिन नदियों ने इस अंचल को जीवन और समृद्धि दी, आज वे अवैध रेत खनन की मार से कराह रही हैं। यह कोई प्राकृतिक संकट नहीं, बल्कि जिम्मेदार विभागों की नंगी मिलीभगत और अपराधियों को दी गई खुली छूट का परिणाम है। नदियों का अस्तित्व खतरे में है और प्रशासन मौन है। थोड़ी-सी बरसात में ही अब नदियां उफान पर आ जाती हैं, किनारों का कटाव तेज हो जाता है और जल में ऑक्सीजन घटने से पानी सड़ांध मारने लगता है।

यह तस्वीर साफ करती है कि खनन ने नदियों की रगों से रक्त ही चूस लिया है। पिछले एक दशक में कई छोटी नदियां मानचित्र से मिट चुकी हैं और बड़ी नदियां भी खोखली हो चली हैं।

हलफल नदी पर सबसे गहरा हमला

जिले की हलफल नदी की हालत सबसे भयावह है। यहां रात-दिन मशीनों और ट्रैक्टरों की गरज सुनाई देती है। गांव-गांव से वाहन भर-भरकर रेत निकाल रहे हैं और नदी की आत्मा को चीर रहे हैं। यह सब किसी छिपे कोने में नहीं, बल्कि सबके सामने हो रहा है। फिर भी जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं।

औपचारिक खानापूर्ति

जिन विभागों का काम नदियों की रक्षा करना है, वे केवल खानापूर्ति तक सीमित हैं। कभी-कभार सडक़ पर दौड़ते ट्रैक्टर रोककर चालान काट दिया जाता है, ताकि कार्रवाई का ढोल पीटा जा सके, लेकिन असली सवाल यह है कि नदी किनारे खुलेआम हो रही खुदाई पर खामोशी क्यों? मौके पर जाकर खनन रोकने की हिम्मत क्यों नहीं दिखाई जाती? यह चुप्पी नहीं, बल्कि अपराधियों से मिलीभगत का खुला प्रमाण है।

रोज का कारोबार, रोज की लूट

हलफल नदी से हर दिन दर्जनों ट्रैक्टर अवैध रेत निकालते हैं। यह खेल महीनों नहीं, सालों से चल रहा है। इससे शासन को हर माह लाखों का राजस्व चूना लग रहा है। लेकिन जिनकी जिम्मेदारी सरकारी खजाने की रक्षा करना है, वही इस लूट के साझेदार बन बैठे हैं। विभाग और वर्दीधारी अब जनता की सेवा नहीं, बल्कि रेत माफियाओं की चौकीदारी कर रहे हैं।

गांव-गांव तक फैला गोरखधंधा

माफियाओं का जाल इतना फैल चुका है कि अब नदी किनारे के गांवों के लोग भी इस धंधे में शामिल कर लिए गए हैं। स्थानीय युवाओं को ट्रैक्टरों और हाइवा में झोंक दिया गया है। मोटी कमाई की लालच में लोग नदी की कब्र खुदाई में लगे हुए हैं। इसका नतीजा यह है कि नदी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, जल का प्रवाह रुक रहा है और आने वाले वक्त में हलफल भी केवल इतिहास के पन्नों में दर्ज रह जाएगी।

विभागों की चुप्पी सबसे बड़ा सबूत

सबसे बड़ा सवाल यही है, जब आम लोग जानते हैं कि अवैध खनन कहां और कैसे हो रहा है, तो जिम्मेदार विभागों को इसकी भनक क्यों नहीं लगती? क्या वर्दीधारी आंखों के सामने दौड़ते ट्रैक्टरों को नहीं देखते? क्या विभागीय अफसर बहरे और अंधे हो गए हैं? यह सबूत देने के लिए काफी है कि खनन केवल माफियाओं की मर्जी से नहीं, बल्कि विभागों की मिलीभगत से फल-फूल रहा है।

प्रशासन की खामोशी पर जनता के सवाल

हर दिन लाखों रुपये की राजस्व चोरी के बावजूद शासन-प्रशासन की खामोशी चुभती है। क्या सरकार को नदियों का अस्तित्व मिटते देखना मंजूर है? क्या जनता की सुरक्षा और पर्यावरण की रक्षा से ज्यादा जरूरी माफियाओं की तिजोरी भरना है? प्रशासन की निष्क्रियता ने लोगों के मन में गुस्सा और सवाल दोनों भर दिए हैं।

विनाश की आहट

विशेषज्ञ साफ चेतावनी दे चुके हैं कि इस तरह का अवैध खनन जारी रहा तो जिले की नदियों का अस्तित्व मिट जाएगा। जलस्रोत सूख जाएंगे, भू-जल स्तर लगातार गिरता जाएगा और हर साल बाढ़ व सूखे का खतरा और भी बड़ा होगा। यह केवल एक नदी की समस्या नहीं, बल्कि पूरे जिले और उसके पर्यावरण का विनाश है। जयसिंहनगर की नदियों पर मंडरा रहा यह खतरा किसी दूर के भविष्य की कल्पना नहीं, बल्कि आज की सच्चाई है। अब भी समय है—वरना कल बहुत देर हो जाएगी।

उमरिया में परिवहन विभाग का शिकंजा

सडक़ पर बेतरतीब वाहनों पर गिरेगी गाज

उमरिया। जिले में सडक़ सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने अब आर-पार की जंग छेड़ दी है। परिवहन आयुक्त के आदेश और कलेक्टर धरणेंद्र कुमार जैन के निर्देशन पर जिला परिवहन अधिकारी रमा दुबे के नेतृत्व में 22 सितंबर से 5 अक्टूबर तक विशेष चेकिंग अभियान शुरू हो गया है। विभाग ने साफ कर दिया है कि अब नियम विरुद्ध वाहनों और लापरवाह चालकों की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी।

अभियान के पहले ही दिन ताला-मानपुर क्षेत्र में विभाग की सख्ती दिखाई दी। सडक़ पर दौड़ रहे समस्त वाहनों की जांच की गई, जिसमें आठ वाहन नियम विरुद्ध पाए गए। इन पर मोटरयान अधिनियम 1988 के तहत कार्यवाही करते हुए विभाग ने मौके पर ही 19 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला। परिवहन विभाग की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से वाहन स्वामियों और ऑपरेटरों में खलबली मच गई है।

अभियान के तहत विभाग ने कई बुनियादी लेकिन अनिवार्य नियमों को केंद्र में रखा है। इनमें वाहनों में अग्निशमन यंत्र और फस्र्ट एड बॉक्स का होना, रिफ्लेक्टिव टेप लगाना, मोटरयान कर का भुगतान, वैध फिटनेस, परमिट, बीमा और प्रदूषण प्रमाण पत्र होना शामिल है। इसके अलावा ओवरलोडिंग, ओवरस्पीड और निर्धारित पात्रता से अधिक यात्रियों को ढोने जैसी गंभीर लापरवाहियों को भी सीधे शिकंजे में लिया जाएगा। जिला परिवहन अधिकारी रमा दुबे ने चेतावनी देते हुए कहा कि बस ऑपरेटर अपने वाहनों का संचालन केवल वैध दस्तावेजों और सुरक्षा प्रावधानों के आधार पर ही करें। बिना फिटनेस, परमिट, बीमा और पीयूसी के सडक़ पर बस दौड़ाना अब किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने साफ कहा कि यदि कोई वाहन नियम विरुद्ध संचालन करते पाया गया तो न केवल चालान होगा बल्कि चालक का लाइसेंस निलंबित करने की कार्यवाही भी की जाएगी।

विभाग का रुख साफ है कि यह अभियान केवल दंडात्मक नहीं बल्कि चेतावनी और सुधार का भी मौका है। मगर जो नियमों से खिलवाड़ करेंगे, उनके खिलाफ विभाग लोहे की तरह कठोर बनेगा। परिवहन विभाग का कहना है कि सडक़ सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अभियान का उद्देश्य जिले में हर वाहन को वैध दस्तावेजों और सुरक्षा उपकरणों से लैस करना है ताकि यात्रियों की जान बचाई जा सके और दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। 5 अक्टूबर तक जिलेभर की सडक़ों पर विभाग की टीम सक्रिय रहेगी और हर जगह जांच की जाएगी। लिहाजा वाहन मालिकों और बस ऑपरेटरों को साफ संदेश है—या तो नियमों का पालन करें, नहीं तो सडक़ पर अब उनका स्वागत जुर्माना और जब्ती से होगा।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर कलेक्टर ने बच्चों को खिलाई कृमि नाशक दवा

उमरिया। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मे कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बच्चो को कृमि नाशक दवाई खिलाकर अभियान का शुभारंभ किया । कलेक्टर ने गोलियों के सेवन हेतु स्वयं एवं अपने निकट एवं पड़ोस में इसका प्रचार प्रसार कर शत प्रतिशत सेवन करने की बात कही।उन्होने कहा कि गोली का सेवन करने से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। जिले की आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चो को खाना खाने के बाद, गर्भवती महिलाओ को गोली खिलाई जाएगी । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर व्ही एस चंदेल द्वारा बताया कि कृमि संक्रमित बच्चों में कुपोषण और खून की कमी होती है जिसके करण बच्चों में थकावट रहती है और संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास नहीं होता। उन्होंने बताया कि जिसमें सभी स्कूल व आंगनवाड़ी केन्द्रो मे 1 से

19 साल तक के बच्चे को कृमी की गोली सभी बच्चों को खाना खाने के बाद खिलाई जानी है जिससे कृमी से मुक्ति मिल सके व 20 से 49 वर्ष तक की प्रजनन काल वाली सभी महिलाओ को भी एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जानी है जो इस दिवस मे गोली खाने से छूटेगे उन्हें 26 सितंबर को मापअप दिवस पर खिलाई जाएगी।कृमि की गोली से उम्र अनुसार 1 से 2 साल के बच्चे को आधी गोली पीसकर, व 2 से 3 साल के बच्चे को एक गोली पीसकर खाना खाने के बाद खिलाई जाएगी। इसी प्रकार 4 से 19 साल तक के बच्चे को खाना खाने के बाद एक गोली चबाकर सभी स्कूल मे शिक्षक द्वारा खिलाई जाएगी व आंगनवाड़ी केंद्र मे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा खिलाया जाना है व शाला त्यागी बच्चे व प्रजनन काल की 20 वर्ष से 49 वर्ष की सभी महिलाओ को आशा कार्यकर्ता द्वारा कृमि की गोली खिलाई जाएगी। कार्यक्रम में डॉक्टर रिचा गुप्ता द्वारा एनीमिया मुक्त भारत हेतु छात्र-छात्राओं को जागरूक किया एवं शपथ करवाया गया जिससे कि छात्र-छात्राओं में उत्साह एवं जागरूकता बढऩे लगे उक्त कार्यक्रम में प्रभारी जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर रोहित सिंह बघेल,अर्बन सेक्टर सुपरवाइजर प्राचार्य एवं शिक्षक शिक्षिका उपस्थिति रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाए । सीएम हेल्पलाइन की कोई भी शिकायत अनअटेंडेड नही रहे । शिकायतों का अधिकारी स्वंय परीक्षण करते हुए उसका निराकरण कराएं । बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या , संयुक्त कलेक्टर रीता डहेरिया,एसडीएम मानपुर टी आर नाग,एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह,डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले, हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

एक साथ संचालित किया जाएगा स्वच्छता अभियान

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि 25 सितंबर को जनप्रतिनिधियों,युवाओं, छात्र छात्राओं, स्वयंसेवकों एवं नागरिकों की सहभागिता से वृहद स्तर पर स्वच्छता श्रमदान ''एक दिन, एक घंटा, एक साथ'' स्वच्छता अभियान बस स्टैण्ड एवं सब्जी मण्डी परिसर में सफाई अभियान का आयोजन होगा। नगरीय निकाय उमरिया में नया बस स्टैंड में प्रातः 8 बजे से कार्यक्रम आयोजित होगा। बैठक मे कलेक्टर ने स्वच्छता सेवा पखवाड़े की समीक्षा करते हुए कहा कि पखवाड़े के दौरान निर्धारित कार्यक्रम अनुसार कार्यक्रम आयोजित किए जाए तथा उसकी इंट्री संबंधित पोर्टल पर की जाए। उन्होने नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा कि सीटीयू का निपटान एवं साफ-सफाई अभियान में तेजी लाएं।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या ,संयुक्त कलेक्टर रीता डहेरिया, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह,डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले, हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने 82 लोगों की सुनी समस्याएं

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के दूर दराज से आए 82 लोगों की समस्याओं को सुना तथा निराकरण के लिए संबंधित विभाग की ओर आवेदन प्रेषित किया । जनसुनवाई में छोट कामन कोल ग्राम डिघिया मानपुर ने भू अधिकार पट्टा दिलाने, ललन प्रसाद पनिका ग्राम बरेली ने फंड की राशि वापस दिलाने,अनुकंपा नियुक्ति दिलाने तथा फर्जी शपथ पत्र तैयार करने वाले के विरूध्द कार्यवाही किए जाने, चेक कोल ग्राम बडखेरा ने राजस्व रिकार्ड में नाम जुडवाने, श्रीकांत ग्राम चंदिया ने बिजली बिल सुधरवाने, शैलेन्द्र सिंह ग्राम झलवार ने पीएम आवास योजना एवं शौचालय का लाभ दिए जाने, निशा बैगा ग्राम गिंजरी ने लाड़ली बहना राशि दिलाने, परमू सिंह ग्राम मरदर ने कब्जा हटवाने, फूलचंद काछी चंदिया ने बेटे को काम दिलाये जाने, मुकेश प्रजापति ग्राम मुंगवानी ने सह खातेदार से बटनवारा कराने, कौशल जायसवाल ग्राम पनपथा ने अवैध निर्माण हटाने, दयाराम जायसवाल ग्राम परासी ने सीमांकन कराने संबंधी आवेदन दिया । इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर रीता डहेरिया, एसडीएम बांधवगढ़ कमलेश नीरज, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले, हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

पोषण पखवाड़े के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता ने बताया कि जिले की समस्त आंगनबाडी केन्द्रो में पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग के बारे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा स्व निर्मित स्वदेशी खिलौनें के बारे में जानकारी दी गई । सुपरवाईजर कंचन कुंवर मरावी ताला सेक्टर परियोजना मानपुर ने बताया कि पौष्टिक आहार एक ऐसा संतुलित भोजन है जो शरीर को सभी आवश्यक पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, खनिज, वसा और फाइबर प्रदान करता है, एक स्वस्थ और संतुलित आहार के सेवन से शरीर का समुचित विकास होता है, प्रतिरक्षा प्रणाली

मजबूत होती है, और कई बीमारियों से बचाव होता है। पौष्टिक आहार में अनाज में दालें, बाजरा, जौ, गेहूं, और ब्राउन राइस, फल और सब्जियां में रंग-बिरंगे फल और पत्तेदार सब्जियां प्रोटीन स्रोत, स्वस्थ वसा (जैसे एवोकाडो, अखरोट) और फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ के बारे मे जानकारी दी गई । उन्होने बताया कि आंगनबाड़ी में खिलौनों के बजाय खेल-खेल में के माध्यम से बच्चों को पौष्टिक आहार के बारे में सिखाना एक थीम हो सकती है, जहाँ खेल, कहानियाँ और पोषण वाटिकाएँ जैसे गतिविधियों द्वारा भोजन के महत्व को समझाया गया। इस थीम का उद्देश्य बच्चों में बचपन के कुपोषण को कम करना, स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देना और पोषण वाटिकाओं के माध्यम से स्थानीय और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

चचाई पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के दौरान की बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज, चचाई। अधीक्षक मोती उर रहमान के मार्गदर्शन में ऑपरेशन प्रहार के तहत सभी थाना प्रभारी को अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही करने का निर्देश प्राप्त होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ सिंह मरकाम, एसडीओपी सुमित केरकेट्टा के निर्देशन में ऑपरेशन प्रहार के तहत मुखबिर से सूचना प्राप्त होने पर दिनांक 22 सितम्बर को मौके से पुलिस टीम के द्वारा बताए स्थान पर दबिश दी गई तो सब एरिया स्कूल के पीछे शिव मंदिर के पास अमलाई में दो व्यक्ति एक-एक पिट्ठू बैग लिए मिले जिनसे नाम पता पूछने पर अपना अपना नाम ईदउल नबी पिता नजर मोहम्मद उम्र 26 साल निवासी वार्ड नंबर 5 कुडन मोहल्ला कटंगी थाना कटंगी जिला जबलपुर एवं सुनील सिंह यादव पिता बाबू सिंह यादव उम्र 26 साल निवासी बछेछर खुर्द लम्होरा थाना कुलपहाड़ जिला महोबा उत्तर प्रदेश का होना बताएं जिनके पिट्ठू बैग में रखे सामान के संबंध में पूछताछ करने पर अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री हेतु उड़ीसा से लेकर आना बताएं मौके से दोनों संदेहियों के पिट्ठू बैग की तलाशी ली गई तो दोनों संदेहियों में से एक के पास 5 किलो 199 ग्राम, दूसरे के पास 5 किलो 88 ग्राम कुल 10 किलो 287 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल कीमती 1,40,574 रुपये दो मोबाइल फोन कीमत 20000 कुल कीमती 1,60, 574 रुपए जप्त कर मौके से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 254/25 धारा 8/20 बी एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया।

पसान में बनेगा ढाई करोड़ की लागत से मंगल भवन

नगरवासियों को नपाध्यक्ष राम अवध सिंह ने दी सौगात

हरिभूमि न्यूज, भालूमाड़ा। नवरात्र के पावन पर्व पर नगर पालिका पसान वार्ड क्रमांक 11 भालूमाडॉ ऑटो स्टैंड के पास नगर पालिका द्वारा लगभग ढाई करोड रुपए की लागत से सर्व सुविधा युक्त सुसज्जित मंगल भवन के निर्माण का भूमि पूजन नगर पालिका अध्यक्ष रामअवध सिंह मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशांक आर्मो द्वारा किया गया। बताया गया की मंगल भवन की कुल लागत 2 करोड़ 27 लाख रुपए है जिसका निर्माण नगर पालिका के द्वारा किया जाना है उक्त निर्माण निकाय निधि के द्वारा होना है। मंगल भवन की मांग पिछले 8 से 10 वर्षों से नगर के लोगों के द्वारा की जाती रही है इतना ही नहीं पूर्व के नगर पालिका के कार्यकाल में भी मंगल भवन बनाने की योजना बनी थी लेकिन पूरी नहीं हो पाई अनेक कार्यक्रमों में पसान नगर पालिका क्षेत्र के जमुना एवं भालूमाडॉ में मंगल भवन बनाने की बात जनप्रतिनिधियों के द्वारा कही गई थी जिसकी राह यहां की जनता देखती रही

वर्तमान परिषद के चुनाव के पूर्व ही अनेक लोगों ने समाजसेवियों ने जनप्रतिनिधियों ने नगर में मंगल भवन की बात रखी थी और इस बात को बल दिया राम अवध सिंह ने उनका कमिटमेंट था कि यदि नगर पालिका पसान में उनका कार्यकाल रहा उनकी परिषद रही तो भालूमाड़ा में मंगल भवन का निर्माण हर हाल में कराया जाएगा और उनके अध्यक्ष बनने के बाद लगभग दो वर्ष से ज्यादा का समय गुजर गया और अब जाकर नगर में मंगल भवन का भूमि पूजन नगर पालिका अध्यक्ष ने किया। राम अवध सिंह के नगर पालिका अध्यक्ष का पद भार ग्रहण करने के बाद नगर में अनेक छोटी-बड़ी समस्याएं थी जिनका निराकरण उन्होंने अपनी परिषद के माध्यम से कराया अनेक विकास कार्य किया लेकिन मंगल भवन की स्वीकृति के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी और उस मेहनत का नतीजा रहा की लगभग 2 वर्ष के बाद मंगल भवन की स्वीकृति शासन स्तर पर मंजूर की गई और उसके बाद निर्माण की प्रक्रिया नगर पालिका द्वारा कराई गई और अब नगर में मंगल भवन के निर्माण का शुभारंभ हो चुका है और यह कहा जा सकता है की लगभग साल भर कीअवधि में यह मंगल भवन पूर्णतः बनकर तैयार हो जाएगा यहां की जनता के लिए।

मंगल भवन की आवश्यकता

भालूमाडॉ वार्ड क्रमांक 11 में बनने वाले मंगल भवन की आवश्यकता इस बात से जानी जा सकती है कि यहां पर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 8 से लेकर वार्ड क्रमांक 18 तक के वार्ड हैं जिनमें आधे से अधिक की आबादी नगर की है और यहां पर आम लोगों को शादी विवाह या कोई भी कार्यक्रम करने के लिए कोई भी भवन य अन्य सुविधा नहीं है मजबूरन यहां के लोगों को एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के कालरी क्लब को किराए पर लेकर आयोजन होते रहे हैं लेकिन यहां पर भी वह सुविधा व्यवस्थाएं नहीं है जो होनी चाहिए कालरी का क्लब भी अब जर्जर स्थिति में है जिसकी शुध कालरी प्रबंधन भी नहीं ले रहा। यहां तक की गैर श्रमिकों को कालरी का क्लब मिलना भी मुश्किल होता है।

खबर संक्षेप

गांव में नहीं चल रहा है इंटरनेट

ब्यौहारी। ब्यौहारी के आसपास क्षेत्र के गांव में जिओ के ग्राहक काफी परेशान क्योंकि इंटरनेट नहीं चल पा रहा ग्राम भन्नी के निवासी शिवाकांत तिवारी ने बताया कि मैं बैंकिंग का काम करता हूं जिओ का नियमित ग्राहक हूं गांव में बात तो होती है लेकिन इंटरनेट बिल्कुल नहीं चल पा रहा है जिससे मैं अपना काम नहीं कर पाता इसी तरह से संजय सिंह ने भी बताया कि जिओ का टावर काम नहीं कर रहा है हम लोग इंटरनेट नहीं चला पा रहे हैं लोगों ने कलेक्टर से शीघ्र समाधान की मांग की है।

पथरहटा में लो वोल्टेज से बढी परेशानी

ब्यौहारी। विधानसभा क्षेत्र ब्यौहारी के अंतर्गत वितरण केंद्र करकी के अंतर्गत आने वाले गांव पथरहटा, मड ऊडोल, ऊफरी, एवं बसही में वोल्टेज बहुत कम रहता है जिसके कारण स्थानीय लोग काफी परेशान रहते हैं स्थानीय लोगों में बताया कि लोग वोल्टेज से हम काफी परेशान हैं इसके लिए कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई शिकायतकर्ताओं में हरबंस मिश्रा, राममोल द्विवेदी छोटेलाल द्विवेदी, पवन द्विवेदी द्वारिका तिवारी, जगदीश कोल, पुष्पराज सिंह, सुशील गोंड सभी पथरहटा गांव के निवासी हैं, इसी तरह से मडऊडोल के भी कई लोगों ने मीडिया से अपनी समस्याएं बताइए लोगों ने कहा कि हम लोगों को वोल्टेज से छुटकारा दिलाने की मांग कलेक्टर से की है।

भतीजे ने चाची को उतारा मौत के घाट

शहडोल । जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के बराछ गांव में एक सनसनी खेज घटना सामने आई है, जहां एक महिला की उसके ही देवर के बेटे (भतीजे)ने कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। यह घटना मंगलवार दोपहर को उस समय हुई जब रानी पटेल (पति राम रुचि पटेल) घर के निकट स्थित मंदिर में पूजा कर रही थीं। हत्या का कारण जमीन का विवाद बताया जा रहा है, जो पिछले दो महीनों से दोनों परिवारों के बीच चल रहा था। बताया गया कि घटना के समय मौके पर काफी लोग मौजूद थे, जो चौंक गए जब उन्होंने इस दिल दहला देने वाली घटना को देखा। आरोपी कृष्ण कुमार पटेल उम्र 25 वर्ष ने अपनी चाची रानी पटेल पर पीछे से कुल्हाड़ी से हमला किया और उन्हें मौके पर ही मौत के घाट उतार दिया। गांव के लोगों ने घटना की तुरंत जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए जांच शुरू की है।थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ शुरू कर दी है।

आमजनों को नहीं मिल पा रही शासकीय योजनाओं की जानकारी

जनसंपर्क विभाग नहीं कर पा रहा अपडेट

सरकार और जनता के बीच योजनाओं से संबंधित जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी जनसंपर्क विभाग की होती है लेकिन जनसंपर्क विभाग द्वारा विभागों की योजनाओं को सही ढंग से अपडेट नहीं किया जा रहा जिससे लोग यह नहीं जान पाए कि किस विभाग में कौन सी हितग्राही मूलक योजनाएं चल रही है।

ब्यौहारी।

अधिकारियों की- तबादले की नहीं होती जानकारी। किस ब्लॉक में कौन से अधिकारी की पदस्थापना हुई है किसका स्थानांतरण हुआ है इसकी जानकारी जिला जनसंपर्क विभाग को जारी करना चाहिए लेकिन अधिकारियों का ट्रांसफर हो जाता है लोगों को पता ही नहीं चल पाता की किस विभाग में कौन सा अधिकारी विभाग प्रमुख है सिर्फ जो विभाग से जुड़े लोग रहते हैं उन्हीं को जानकारी हो पाती इसका ताजा उदाहरण यह है कि अभी हाल ही में 200 करोड़ की जमीन घोटाले में फंसे नरेंद्र सिंह धुर्वे का स्थानांतरण पन्ना के लिए हो गया व्यवहारी का नया एसडीएम भागीरथी लहरे को बनाया गया लेकिन उनके पदभार ग्रहण करने का कोई समाचार और फोटो जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी नहीं किया गया जबकि जनपद सीईओ व्यवहारिक कल्पना यादव जब पदभार ग्रहण किया था तो इसकी जानकारी दी गई थी समाचार पत्रों में खबरें भी छपी थी लेकिन कुछ मामलों में पता नहीं जनसंपर्क विभाग क्यों उदासीन हो जाता है इसी तरह से स्थानांतरण के बाद कई विभागों के अधिकारी बदल गए लेकिन जिले के अंदर उनके स्थानांतरण का समाचार जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी नहीं किया गया इसे यह साबित होता है कि जनसंपर्क विभाग भी सिर्फ बैठकों की खबर देने तक सीमित रह गया है। 3 साल से नहीं छपी किताब-प्रदेश जनसंपर्क विभाग द्वारा पहले सभी विभागों की योजनाओं की जानकारी के लिए आगे आए लाभ उठाएं नाम की पुस्तक छपाई जाती थी लेकिन 3 साल से पुस्तक नहीं छपाई गई सोशल मीडिया में चल रहा प्रचार - सिर्फ सोशल मीडिया में ही हवा हवाई प्रचार चल रहा है सोशल मीडिया में भी लोग शासकीय वेबसाइट कम और रील वीडियो ज्यादा देखते हैं इसलिए जनसंपर्क विभाग को चाहिए कि पूर्व की तरह शासकीय योजनाओं की जानकारी वाली पुस्तक हर एक साल छपाई जाए और उसमें समय के अनुसार अपडेट भी किए जाएं क्षेत्र वासियों ने मुख्यमंत्री, जनसंपर्क मंत्री से मांग की है शीघ्र पुस्तक का प्रकाशन कराया जाए एवं जनसंपर्क विभाग के लापरवाह अधिकारी एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

22 साल से लगातार विराजी जा रही मां दुर्गा की प्रतिमा

ब्यौहारी। झांपर क्षेत्र के ग्राम पंचायत रसपुर के ग्राम उकसा में मां दुर्गा के प्रतिमा स्थापना के लिए स्थाई मंदिर बनवाया गया है जहां 22 सालों से लगातार नवरात्रि में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाती है मंदिर और चबूतरे का निर्माण मोहल्ले के निवासी भूतपूर्व रेंजर बाबूलाल पाठक द्वारा कराया गया है स्थानीय निवासी पुष्पेंद्र पाठक ने बताया कि पाठक मोहल्ला में आसपास के लोग भी बड़े ही श्रद्धा भाव से मां दुर्गा की 9 दिन पूजा करते हैं और उसके बाद भंडारे का आयोजन होता है इसके बाद मूर्ति को विसर्जित कर दिया जाता है मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित होने से आसपास के पटेल और ब्राह्मण समाज मिलकर के पूजा पाठ करते हैं 9 दिन तक मां दुर्गा की आराधना में लीन रहते हैं। मां दुर्गा की स्थापना से आसपास के लोगों में सामाजिक एकता एवं भाईचारे को भी मजबूत कर रहे हैं।

पेसा एक्ट के तहत 67 नई ग्राम सभाओं का गठन

विशेष अधिकारों के क्रियान्वयन की तैयारी तेज

शहडोल। अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए जयसिंहनगर उपखंड अधिकारी राजस्व द्वारा पेसा एक्ट के तहत 67 नई ग्राम सभाओं के गठन की अधिसूचना जारी की गई है। यह अधिसूचना मध्यप्रदेश पंचायत उपबंध अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार नियम 2022 एवं मप्र पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 129-(ख) के प्रावधानों के अंतर्गत जारी की गई है। यह पहल मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शहडोल सीम्या आनंद के निर्देशन, एसडीएम जयसिंहनगर काजोल सिंह के मार्गदर्शन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शिवानी जैन के नेतृत्व में संभव हुई है। इस पूरी प्रक्रिया में पेसा ब्लॉक समन्वयक शारदा मौर्य और उनकी टीम की मेहनत अहम रही।

ग्राम सभाओं को मिला अधिकार- पेसा एक्ट ग्राम सभाओं को विशेष अधिकार प्रदान करता है, जिसमें स्थानीय विवाद निपटान, संसाधनों का संरक्षण और राजस्व वसूली जैसे प्रावधान शामिल हैं। जयसिंहनगर क्षेत्र में सभी ग्राम सभाओं में समितियों का गठन और बैंक खाते खोले जा चुके हैं। तेन्दुपत्ता संग्रहण कार्य वर्ष 2022-23 में 8 ग्राम सभाओं ने, 2023-24 में 10 और 2024-25 में 13 ग्राम सभाओं ने कार्य किया। विवाद निपटारा: पुलिस थानों में दर्ज 203 एनसीआर प्रकरणों और 382 अविवादित मामलों का निपटारा ग्राम सभा की **शांति एवं विवाद निवारण समिति द्वारा किया गया। राजस्व वसूली, मादक पदार्थ नियंत्रण समिति 30,800, जल संसाधन नियंत्रण समिति-41,090, बाजार व मेला नियंत्रण समिति-55,950, कुल जमा राशि 1,27,840 पेसा ग्राम सभा निधि खाते में जमा कराई गई।

सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण- चरहेट ग्राम सभा की सहयोगिनी समिति और पेसा मोबिलाइजरों के प्रयास से दो आंशिक दिव्यांग व दो कुपोषित बच्चों को समय पर एनआरसी में भर्ती कराया गया, जिससे वे अब पूर्णतः स्वस्थ हो चुके हैं। यह उदाहरण पेसा एक्ट की जमीनी सफलता का प्रमाण है।

प्रशासन का सख्त संदेश- अधिसूचना के साथ ही प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पेसा एक्ट केवल कागजी दस्तावेज नहीं है, बल्कि इसे जमीन पर कड़ाई से लागू किया जाएगा। ग्राम सभाओं को सौंपे गए अधिकार न केवल स्थानीय जनता की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे, बल्कि बाहरी हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार पर भी रोक लगाएंगे।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संभागीय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

ब्यौहारी

शासकीय महाविद्यालय ब्योहारी मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्वर्गीय रामकिशोर स्मृति शासकीय महाविद्यालय ब्योहारी में संभागस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन ब्योहारी में प्राचार्य श्री डां रामाकार तिवारी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ खेलकूद में कबड्डी प्रतियोगिता अंतर्गत छात्राओं एवं छात्रों की लगभग बारह टीमों ने भाग लिया आज खिलाड़ी टीम ने पत्रकार अरुण तिवारी का सम्मान किया गया कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग में शंभूनाथ कालेज शहडोल एवं महाविद्यालय बुढार के बीच खेला गया जिसमें शंभूनाथ कालेज विजयी रही और वही दूसरा सेमीफाइनल जैयसिहनगर एवं ब्योहारी के बीच खेला गया खबर लिखे जाने तक खेल जारी था तो वही शतरंज चैलेंज प्रतियोगिता भी शुरू जिसका कल फाइनल खेला जाएगा इस महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि इन खेलों के आयोजन से बच्चों के शारिरिक विकास एवं मानसिक तनाव भी दूर होता है और खेल को बढ़ावा भी मिलता है।

विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

शहडोल।

रसायन शास्त्र विषय के पाठ्यक्रम का निर्माण भारतीय ज्ञान परम्परा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का सफल समापन हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन-अर्चन एवं अतिथियों के स्वागत से हुई। नोडल अधिकारी डॉ. महेंद्र किशोर भटनागर ने दो दिन के मंथन की पूरी रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यशाला की सफलता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रो. ओ.एन. चौबे ने विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्यशाला का विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया और इस गरिमामय आयोजन की सराहना की। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला बड़ी संजीदगी से सम्पन्न हुई तथा द्वितीय और तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया, जिसमें भारतीय ज्ञान परम्परा के विषयों को समाहित किया गया है। उन्होंने कुलगुरु प्रो. रामशंकर के विशद मार्गदर्शन को सराहनीय बताते हुए इसे पाथेय कहा।

अपने उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने कहा कि इस यज्ञ में अपनी बौद्धिक आहुति देने वाले सभी रसायन शास्त्र के मनीषियों का मैं आभार व्यक्त करता हूँ। निश्चय ही आपकी मेहनत विद्यार्थियों को नई दिशा देगी। पाठ्यक्रम बनाने के विविध आयाम होते हैं जिन्हें समझकर उनका उपयोग करना पाठ्यक्रम को गुणवत्ता प्रदान करता है।

इस समापन सत्र में विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'नवीन अन्वेषण' शोध पत्रिका के नवांक का विमोचन किया गया, जिसकी संपादक डॉ. चेतना सिंह तथा सह संपादक डॉ. वंदना राम एवं डॉ. मौशमी हैं। सभी अतिथियों को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी ने सभी उपस्थिति अतिथियों का आभार ज्ञापित किया तथा पाठ्यक्रम निर्माण में सहयोग के लिए सभी प्राध्यापकों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मनीषा तिवारी ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. ममता प्रजापति, डॉ. गंगाधर ढ़ोके, डॉ. पूर्णिमा, डॉ. चेतना, डॉ. रुचि, डॉ. शरद बरवे, डॉ. मौशमी, डॉ. वंदना राम सहित सभी प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

फर्जी मैरिज ब्यूरो के खुलासे की आहट

शहडोल। कोतवाली थाना क्षेत्र के गुरु नानक चौक स्थित होटल कर्मभूमि में देर शाम अचानक पुलिस की दबिश ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी। कोतवाली पुलिस के साथ साइबर टीम भी मौके पर मौजूद रही और करीब एक घंटे तक दस्तावेजों की गहन छानबीन करती रही।

इस दौरान पुलिसकर्मी होटल में मौजूद लोगों से पूछताछ करते नजर आए। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि मामले का पूरा खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही किया जाएगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, होटल कर्मभूमि से फर्जी मैरिज ब्यूरो का संचालन किया जा रहा था। यहां कथित तौर पर महिलाओं और पुरुषों का परिचय कराने का काम होता था। कर्मचारी फोन कॉल, व्हाट्सऐप और सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क साधते, व्यक्तिगत जानकारियां जुटाते और आपसी मिलन की व्यवस्था कराते थे। बताया जा रहा है कि इस सेवा के एवज में मोटी रकम भी वसूली जाती थी। सवाल यह है कि यह सिलसिला सिर्फ शादियों तक सीमित था या फिर इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह सक्रिय था, इस पर फिलहाल रहस्य बना हुआ है। पुलिस की टीम में कोतवाली से रामराज पांडे, राकेश बागड़ी, मायाराम तथा साइबर सेल से सत्य प्रकाश सहित अन्य जवान शामिल रहे। पुलिस ने कई अहम दस्तावेज कब्जे में लिए हैं। देर रात तक चली कार्रवाई के बाद अब सभी की निगाहें पुलिस जांच की अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं। शहर के बीचों-बीच चल रहे इस कथित अनैतिक धंधे ने क्षेत्र में चर्चाओं को गर्म कर दिया है। लोग दबी जुबान में सवाल उठा रहे हैं कि यदि यह फर्जी मैरिज ब्यूरो था तो इतने दिनों तक इसकी भनक कैसे नहीं लगी। फिलहाल, पुलिस की चुप्पी ने मामले को और भी सस्पेंस से भर दिया है।

मऊ टोल प्लाज़ा विवाद, नगर परिषद अध्यक्ष पर गुंडागर्दी के आरोप

दूसरी ओर ट्रक मालिक टोल प्रबंधन की मनमानी से त्रस्त

शहडोल।

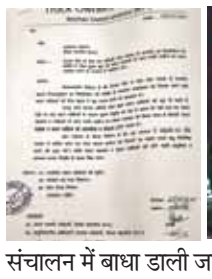

जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मऊ टोल प्लाज़ा का विवाद अब कई परतों में खुलने लगा है। जहां एक ओर टोल कंपनी ने नगर परिषद अध्यक्ष राजन गुप्ता पर लगातार धमकी, बैरियर तोडने और जबरन वाहनों को निकलवाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं, वहीं दूसरी ओर ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर टोल प्रबंधन की मनमानी और नियमों के उल्लंघन की शिकायत की है।

बैरियर तोड़कर निकलवाए वाहन

कंपनी की लिखित शिकायत के अनुसार, 22 सितंबर को दो अलग-अलग समय पर अध्यक्ष गुप्ता के इशारे पर टोल बैरियर तोड़े गए। शाम 7:40 बजे तो स्वयं गुप्ता अपनी स्कॉर्पियो से पहुंचे और कर्मचारियों को गालियां देते हुए बैरियर तोडक़र निकल गए। कंपनी ने इसके सबूत के तौर पर सीसीटीवी फुटेज और तस्वीरें पुलिस को सौंप दी हैं। कंपनी का कहना है कि यह सिलसिला नया नहीं है, गुप्ता द्वारा लगातार टोल संचालन में बाधा डाली जा रही है।

टोल कर्मियों की मनमानी

इसी बीच ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पलड़ा दूसरी ओर झुका दिया है। उनका कहना है कि शासन के नियम के मुताबिक टोल प्लाज़ा से 20 किलोमीटर के दायरे में रहने और काम करने वाले वाहन मालिकों को शुल्क में छूट मिलनी चाहिए, लेकिन टोल कर्मचारी नियमों की खुली धज्जियां उड़ाते हुए कुछ वाहन मालिकों को छूट देते हैं, तो कुछ से जबरन शुल्क वसूलते हैं। इतना ही नहीं, ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि कई बार टोल स्टाफ द्वारा वाहन चालकों और मालिकों से गाली-गलौज कर अभद्र व्यवहार किया गया, जिससे वे अपमानित और परेशान हो रहे हैं।

प्रशासन पर उठे सवाल

अब स्थिति यह है कि एक ओर टोल कंपनी नगर परिषद अध्यक्ष पर गुंडागर्दी का आरोप लगा रही है, वहीं ट्रक मालिक सीधे-सीधे टोल प्रबंधन को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर सच कौन कह रहा है? क्या टोल कंपनी सत्ता के दबाव में पीड़ित है या फिर टोल कर्मचारी ही नियमों की मनमानी कर वाहन मालिकों को परेशान कर रहे हैं?

निष्पक्ष जांच की मांग

ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन ने ज्ञापन के साथ प्रभावित वाहन मालिकों की सूची, पहचान-पत्र और टोल टैक्स नियमों की प्रति भी संलग्न की है और कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जांच हुई तो टोल प्रबंधन की हकीकत सामने आ जाएगी। मऊ टोल प्लाज़ा का विवाद अब सिर्फ स्थानीय झगड़ा नहीं रहा, बल्कि यह प्रशासन की साख और कानून व्यवस्था की परीक्षा बन चुका है।

चौराहों का सौंदर्यीकरण और सामूहिक पहल से मिल सकती है नई उड़ान

अमलाई बरगवां: कब लगेंगे विकास के पंख?

अमलाई।

ओरिएंट पेपर मिल के नाम से पहचान बनाने वाला अमलाई क्षेत्र आज भले ही अपने औद्योगिक इतिहास के लिए जाना जाता हो, लेकिन जिलों के पुनर्गठन के बाद यहां की प्रशासनिक स्थिति और विकास की रफ्तार को लेकर सवाल लगातार उठते रहे हैं। राजस्व हल्का शहडोल से हटकर अनूपपुर जिले में शामिल हो गया, जबकि रेलवे स्टेशन "अमलाई" अब भी इस क्षेत्र की पहचान को बचाए हुए है। यही नहीं, रेलवे स्टेशन की एक ओर अनूपपुर जिला और दूसरी ओर शहडोल जिला आता है। यही स्थिति अमलाई पोस्ट ऑफिस की भी है, जो अब भी 484116 पिनकोड के साथ क्षेत्र की पहचान को जीवित रखे हुए है, हालांकि भवन और आधुनिकीकरण की चुनौतियां यहां भी हैं।

पांच साल पहले ग्राम पंचायत से उठाकर अमलाई बरगवां को कस्बे का दर्जा दिया गया था। उस समय स्थानीय लोगों ने सोचा था कि अब विकास की गाड़ी तेज रफ्तार पकड़ेगी और गांव से कस्बे और कस्बे से नगर परिषद तक का सफर आसान होगा। नगर परिषद का गठन हुआ, तीन साल बीत गए, लेकिन लोग आज भी बेसब्री से पूछ रहे हैं कब लगेंगे विकास के पंख?

अब तक की उपलब्धियां और सीमाएं

नगर परिषद बनने के बाद बिजली के पोल और रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाओं ने जरूर लोगों को राहत दी है। सफाई व्यवस्था भी अब नियमित रूप से नगर परिषद की गाड़ी के जरिए संचालित हो रही है। इन परिवर्तनों ने नागरिकों में यह एहसास जगाया कि वे अब गांव नहीं, बल्कि नगर में रहते हैं। लेकिन यदि बड़े परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो आज भी कस्बा उन सौंदर्य और विकास कार्यों से वंचित है, जो नगर परिषद का दर्जा मिलने के बाद अपेक्षित थे। चौड़ी सडक़ों पर स्ट्रीट लाइटों की कतार, सुंदर चौराहे, फव्वारे और आई लव अमलाई जैसे साइन बोर्ड जो अन्य नगरों की पहचान बन चुके हैंअभी यहां केवल सपना ही हैं।

चौराहों का महत्व और संभावनाएं

नगर परिषद क्षेत्र में कई ऐसे स्थान हैं, जहां सौंदर्यीकरण और व्यवस्थित चौराहे बन सकते हैं। डूंगरिया ओला और अंडरब्रिज वाला चौराहा, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड तिराहा, बापू चौक और साईं मंदिर के सामने का मार्ग—ये सभी स्थान विकास की दृष्टि से अहम हैं। बापू चौक तो अमलाई का हृदय कहा जा सकता है। यहां से बुढ़ार, चचाई और बरगवां तक के रास्ते निकलते हैं। यदि इस चौराहे का सौंदर्यीकरण हो जाए और प्रतिमा स्थापना के साथ यहां चौड़ी सडक़ें बनें, तो व्यापारिक गतिविधियां बढ़ सकती हैं। साईं मंदिर से रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण भी आवश्यक है। यदि 6 से 12 मीटर चौड़ी सडक़ें दोनों ओर व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के साथ विकसित हों, तो यहां चहल-पहल और आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बन सकता है।

नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की भूमिका: विकास की इस राह में स्थानीय नागरिकों की पहल जितनी जरूरी है, उतनी ही नगर परिषद का सहयोग भी। नगर परिषद के गठन को तीन साल से अधिक समय हो चुका है, और अब तक की उपलब्धियों से आगे बढ़ते हुए अगले दो सालों में ठोस कदम उठाना अनिवार्य हो गया है। नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, सभी पार्षद, समाजसेवी और व्यापारी वर्ग यदि एक साथ बैठकर साझा रोडमैप तैयार करें, तो अमलाई बरगवां को नई पहचान दी जा सकती है। यह समय टांग खींचने का नहीं, बल्कि सहयोग और सामूहिक प्रयास का है।

सकारात्मक सोच से ही बदलेगी तस्वीर

यदि नगर परिषद और समाज के अन्य वर्ग मिलकर मुख्य मार्गों के चौराहों और तिराहों का सौंदर्यीकरण कर दें, तो आने वाले समय में अमलाई न केवल व्यापारिक केंद्र बनेगा, बल्कि पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी नया आयाम गढ़ सकेगा। कल्पना कीजिए कि चौड़ी सडक़ें, दोनों ओर आकर्षक दुकानें, चौपाटी, स्ट्रीट लाइटों से जगमगाता माहौल और आधुनिक चौराहों पर सेल्फी पॉइंट हों तब अमलाई की छवि कितनी बदल जाएगी।

अमलाई बरगवां के लोगों का सपना है कि उनका कस्बा भी अन्य नगरों की तरह पहचान बनाए। इस दिशा में कुछ कदम उठे जरूर हैं, लेकिन असली उड़ान अभी बाकी है। विकास के पंख तभी लगेंगे, जब स्थानीय नागरिक, व्यापारी वर्ग और जनप्रतिनिधि मिलकर ठोस पहल करेंगे। नगर परिषद की जिम्मेदारी है कि आगामी कार्यकाल में ऐसे कार्य किए जाएं जो आने वाली पीढ़ियों तक याद किए जाएं।

खबर संक्षेप

लपटा गांव की गौ शाला शीघ्र प्रारंभ करने की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। लपटा ग्राम की गौ शाला को शीघ्र प्रारंभ किया जाना चाहिए। इस गौ शाला के शुरु हो जाने से स्थानीय किसानों को बडी राहत मिलेगी। उपरोक्त विचार अनूपपुर विधानसभा के युवा नेता, जिला पंचायत सदस्य रंजीत सर्राटी ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि लपटा की गौ शाला प्रारंभ करवाने के लिये वे शीघ्र स्थानीय लोगों के साथ कलेक्टर हर्षल पंचोली से भेंट करेंगे। ग्राम पंचायत लपटा में बने गौशाला का जिला पंचायत सदस्य रंजीत सर्राटी ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वे कलेक्टर अनूपपुर से मिल कर इसे जल्द चालू कराने की मांग करेंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य रंजीत सर्राटी के साथ सरपंच छातापटपर गजरूप सिंह, सरपंच भूपेंद्र सिंह, पूर्व सरपंच लपटा नर्बद सिंह, उपसरपंच लपटा श्रीमती पुष्पा सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी गोविंद सिंह राठौर, समाजसेवी शैलेंद्र सिंह पप्पू सचिव अरुण द्विवेदी, चक्केलाल राठौर के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर ने 86 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई। अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय ने 86 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के. के. सोनी एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगणों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत चोरभठी की निवासी श्रीमती सविता राठौर ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने, ग्राम मुड़धोवा जनपद पंचायत अनूपपुर (बदरा) के चिंतामणि महरा ने सम्बल कार्ड के तहत सहायता राशि दिलाए जाने, वेंकटनगर के लक्ष्मीकांत सोनी ने भूमि के नक्शे में सुधार कराए जाने, ग्राम गढ़ी तहसील कोतमा के बुद्धसेन साहू ने उपचार हेतु सहायता राशि दिलाए जाने तथा अन्य आवेदकों ने भूमि का सीमांकन कराने तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना व प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाए जाने आदि के संबंध में आवेदन दिए।

किसानों की मदद के लिए 'फसल डायग्नोस्टिक दल'

कटनी। खरीफ और रबी फसलों में लगने वाले रोगों और कीटों की मॉनिटरिंग एवं किसानों को समय पर उचित सलाह देने के लिए उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, कटनी द्वारा 'फसल डायग्नोस्टिक दल' का गठन किया गया है। यह दल समय-समय पर जिले के अलग-अलग गांवों का भ्रमण कर फसलों का निरीक्षण करेगा और कीट व्याधि के आक्रमण की स्थिति में किसानों को इनके प्रबंधन एवं नियंत्रण के सही तरीके बतायेगा। इस दल में सहायक संचालक कृषि श्री मनीष कुमार मिश्रा, अनुविभागीय अधिकारी कृषि श्रीमती पूनम गर्ग, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. आर.पी. बैन एवं डॉ. के.पी. द्विवेदी सहित सभी विकासखंडों के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को शामिल किया गया है।

हितग्राही कर सकेंगे अपनी कला एवं व्यवसाय का प्रदर्शन

कटनी। नेशनल सफाई कर्मचारी फाईनेंस एंड डेवलेपमेंट कॉरपोरेशन न्यू दिल्ली द्वारा इंटरनेशनल आई.एन.ए. दिल्ली हार्ट, आई.आई.टी.एफ. प्रगति मैदान न्यू दिल्ली, सूरजकुण्ड, फरीदाबाद हरियाणा, पश्चिम हिमालयन में मेलों का आयोजन किया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओ में लाभान्वित अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राही इस मेले में अपनी कला, व्यवसाय का प्रदर्शन करने हेतु भाग ले सकते हैं।

11 हजार 476 करोड़ की लागत से चचाई में बनेगा 660 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट

देर आये-दुरूस्त आये....अंततः मांग हुई पूरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कैबिनेट मे अहम प्रस्ताव पास पूर्व मंत्री बिसाहूलाल ने 2018 मे की थी मांग, 7 साल बाद मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को वंदे मातरम गायन के साथ कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई अहम प्रस्ताव पास हुए लेकिन सबसे अहम प्रस्ताव में अनूपपुर जिले के चचाई व बैतूल के सारणी में 24,000 करोड़ रुपये की लागत से 1320 मेगावाट (प्रत्येक 660 मेगावाट) की दो नई सुपर क्रिटिकल कोल आधरित थर्मल पावर प्लांट की मंजूरी दी गई। ये परियोजनाएं राज्य की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करते और भविष्य में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित

करने के लिए शुरू की जा रही हैं, जिन्हें मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत मीटिंग में मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की पूंजीगत योजना 500 मेगावाट अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई की पुनरीक्षित लागत रुपए 11,476.31 करोड (ईपीसी सहित) का अनुमोदन किया गया।

चचाई की पुनरीक्षित लागत का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की 660 मेगावाट की अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई की पुनरीक्षित लागत 11 हजार 476 करोड़ 31 लाख रूपये का अनुमोदन प्रदान किया गया है। परियोजना का वित्त पोषण 20:80 अंशपूँजी एवं ऋण के अनुपात में किया जायेगा। राज्य शासन द्वारा 20 प्रतिशत अंशपूँजी में से 699 करोड़ 90 लाख रुपये की राशि प्रदान की जायेगी और शेष राशि की व्यवस्था मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड दवारा स्वयं के स्त्रोत से की जायेगी। राज्य शासन दवारा वित्तीय वर्ष 2025-26 तक प्रदान/आवंटित की गई 365 करोड़ रुपये की राशि के अतिरिक्त शेष राज्यांश वित्तीय वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक की अवधि में 66 करोड़ 98 लाख रुपये विभागीय बजट के माध्यम से प्रत्येक वर्ष म.प्र. पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड को उपलब्ध कराई जायेगी।

विधायक बिसाहूलाल सिंह ने रखी थी नींव

कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व व उपेक्षा से क्षुब्ध होकर तत्कालीन अनूपपुर विधायक बिसाहूलाल सिंह भाजपा मे शामिल होने के दौरान कुछ शर्तें रखी थी जिसमे से एक अमरकंटक ताप विद्युत केंद्र चचाई में 660 मेगावाट का पावर प्लांट लगाने की भी प्रमुख शर्त थी। सत्ता परिवर्तन के मचे खलबली के दौरान 2018 में हुये उपचुनाव मे चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अनूपपुर जिले के दौरे पर आए थे तब बिसाहू लाल सिंह विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्यों की मांग थी। इस दौरान श्री चौहान ने अमरकंटक ताप विद्युत केंद्र चचाई में 660 मेगावाट का पावर प्लांट की बात कही थी। जिसके वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की कैबिनेट ने राशि स्वीकृति प्रदान कर कार्य शुरू करने स्वीकृति प्रदान की है। तब श्री सिंह के अनूपपुर विधानसभा से चुनाव जीतने के बाद भाजपा ने विशेष प्राथमिकता देते हुए मंत्रिमंडल में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री के पद से नवाजा था।

राजनैतिक रसूख का फायदा उठाकर पार्षद स्ट्रीट लाइट के काम में उत्पन्न कर रहे अवरोध

राजनैतिक लाभ के लिए न्याय पालिका को भी नही बख्शा जा रहा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 23 सितंबर जिला सत्र न्यायालय परिसर के सामने लंबे समय से स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य बाधित होता आ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों की जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद अनिल पटेल द्वारा ठेकेदार के कार्य में बार-बार व्यवधान डालने का कार्य किया जा रहा है। 23 सितंबर पुनः कार्य रुकवाने का दवाब बनाया गया जिसके बाद आम जनमानस वकील बंधुओं के विरोध के बाद कार्य पुनः प्रारंभ हुआ। दो पत्रकार भाइयों ने स्वयं मसाला डालकर पुनः कार्य प्रारंभ करवाया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा कल जिला न्यायालय के सामने स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य प्रारंभ किया गया था, आज जब गड्ढे में फ्रेम बैठाने की बारी आई तो वार्ड नंबर 9 पार्षद अनिल पटेल द्वारा आपत्ति दर्ज कर काम रुकवा दिया अपने चंद राजनैतिक लाभ के लिए न्याय पालिका परिषर के समाने लगे काम को रुकवाने का साहस किया गया, आस पास रह रहे नगर वासियों द्वारा काम रुकवाने का विरोध किया और पुनः कार्य संचालित करवाया। पार्षद पर आरोप है कि ठेकेदार द्वारा किए जा रहे कार्यों में लगातार दबाव बनाकर मनमानी तरीके से लाइटें एक स्थान से दूसरी जगह शिफ्ट कराई जा रही हैं, जिससे कार्य में अनावश्यक विलंब हो रहा है। गौरतलब है कि ठेकेदार को एक माह के भीतर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य पूर्ण करना था, किंतु बार-बार के अवरोध एवं विवाद के चलते कार्य की गति धीमी पड़ गई है। इस पूरे प्रकरण को लेकर आम जनमानस में नाराजगी व्याप्त है तथा पार्षदों के रवैये की खुलेआम आलोचना हो रही है। जिला कलेक्टर अनूपपुर मामले की संज्ञान में लेकर अनुचित दबाव बना रहे लोगों पर कार्यवाही करनी चाहिए। जनता का कहना है कि वार्ड के अन्य आवश्यक कार्यों की अनदेखी करते हुए सार्वजनिक सुविधा जैसे स्ट्रीट लाइट के कार्य को बाधित करना उचित नहीं है वहीं दूसरी ओर, पत्रकारों एवं ठेकेदार, विभाग के सहयोग से तहसील के सामने, मेगामाइंड स्कूल चौक में स्ट्रीट लाइट लगवाई गई वहां भी काम रुकवाने का प्रयास किया गया था। अब सिर्फ जिला सत्र न्यायालय परिसर का सामना बचा है जिसे जल्द पूर्ण करवाने जिला प्रशासन से जनता गुहार लगा रही है।

भाजपा के घोषित जिला कार्यकारिणी में युवाओं को मिली तरजीह

सत्ता और संगठन के समन्वय से जारी हुई सूची

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा अनूपपुर जिले की कार्यकारिणी 22 सितंबर को देर शाम भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के द्वारा जारी किया गया। भाजपा जिला कार्यकारिणी की सूची जारी होने के साथ ही भाजपा के कार्यकर्ताओं में उमंग और उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ भाजपा की जारी हुई जिला कार्यकारिणी में जहां सत्ता एवं संगठन में समन्वय दिखा तो वही भाजपा की रीति नीति एक कार्यकर्ता एक पद एवं एक परिवार एक पद को बल मिला है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के मार्गदर्शन में अनूपपुर जिले के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने भाजपा जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। प्रदेश संगठन ने जिला कार्यकारिणी में इस बार उन लोगों को स्थान नहीं दिया है जो पहले से ही किसी प्रमुख जिम्मेदारी या पद में है या निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं। संगठन में उन्हीं को स्थान दिया गया है जो निरंतर संगठन के लिए सक्रिय भूमिका में कार्य कर रहे थे इतना ही नहीं युवा टीम को भी प्राथमिकता इस बार की कार्यकारिणी में दी गई है। भाजपा की जारी हुई जिला कार्यकारिणी में सत्ता और संगठन का बेहतर समन्वय रहा है। जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सोनी, आनंद केसरवानी, मदन त्रिपाठी, जितेंद्र भट्ट, श्रीमती ज्योति संतोष सोनी, विनोद केवट, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती रूपमती सिंह, जिला महामंत्री श्याम नारायण शुक्ला, जिला महामंत्री सिद्धार्थ शिव सिंह, जिला मंत्री श्रीमती दुर्गावती पटेल, श्रीमती अंजना कटारे, भूपेंद्र महरा, राम कुमार मार्को, अमर सिंह राठौर, प्रभात मिश्रा, राजेश सरठिया, कोषाध्यक्ष विवेक बियानी, सह कोषाध्यक्ष रामनारायण उरमालिया, कार्यालय मंत्री चंद्रिका द्विवेदी, सह कार्यालय मंत्री कन्ना नायक, जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, सह जिला मीडिया प्रभारी श्रीराम केवट, आईटी सेल प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी इस प्रकार जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। नव नियुक्त सभी पदाधिकारियों को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा प्रदेश नेतृत्व एवं जिला अध्यक्ष के प्रति आभार प्रकट किया कि उन्होंने अनूपपुर के लिए एक बेहतर टीम का चयन किया जिनके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी अब आगे अपना सफर तय करेगी।

मार्तंड महाविद्यालय कोतमा में जगह-जगह दिखे 'लापता' प्राचार्य के पोस्टर

विभिन्न समस्याओं को लेकर छात्रों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के कोतमा स्थित महाराजा मार्तंड महाविद्यालय में छात्रों ने सोमवार को अपनी मांगों को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। छात्रों ने प्राचार्य के लापता होने के पोस्टर परिसर की दीवारों और शहर के विभिन्न स्थानों पर पर चस्पा किये। छात्राओं ने खेल शिक्षिका लीना पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। कॉलेज के दूसरे प्रोफेसर भी मनमानी पर उतर आए हैं। प्रर्दशन कर रही छात्राओं ने खेल शिक्षिका लीना पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उन्होंने हमारे साथ भद्दा मजाक किया है। हमको लड़कियों को लड़कों वाले और लड़कों को लड़कियों वाले कपड़े दिए हैं। लड़कियां अब लड़कों के कपड़े पहन कर जा रही हैं। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में वो हमारे साथ नहीं गई। और हमे धमकी देती हैं। कहती हैं कि जो तुमको करना है कर लो। तुम्हारा चयन नहीं होने दूंगी। इसके साथ खेल शिक्षिका छात्रों के घरों में सम्पर्क कर कह

रही है कि यह अनूपपुर खेलने नहीं गई थीं। हम लोग लड़कों के साथ घूम रही थीं।

5 बार दे चुके ज्ञापन

छात्राओं का कहना है कि एक माह से प्राचार्य महाविद्यालय नहीं आ रहे। महाविद्यालय की समस्याओं को लेकर 5 बार ज्ञापन भी दिया गया हैं। तब भी प्राचार्य मौजूद नहीं थे। आज जब गेट पर ताला लगाकर और उनके आने की मांग की गई, तब दबाव में प्राचार्य महाविद्यालय आए। इस दौरान उन्होंने तहसीलदार को बताया कि वह बीमार थे। छात्रों का कहना है कि महाविद्यालय में पीने का पानी तक नहीं है। महाविद्यालय की समस्याओं को लेकर 5 बार ज्ञापन भी दिया गया है। तब भी प्राचार्य मौजूद नहीं थे। आज जब गेट पर ताला लगाकर और उनके आने की मांग की गई, तब दबाव में प्राचार्य महाविद्यालय आए। इस दौरान उन्होंने तहसीलदार को बताया कि वह बीमार थे। छात्रों का कहना है कि महाविद्यालय में पीने का पानी तक नहीं है। खेल शिक्षिका द्वारा छात्रों से दुर्व्यवहार और खेल सुविधाओं की कमी भी प्रमुख मुद्दों में शामिल रही। कई घंटों के विरोध प्रदर्शन के बाद प्रभारी प्राचार्य वीके सोनवानी आंदोलनरत छात्रों से मिलने पहुंचे। छात्रों ने 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा और इसके बाद अपना आंदोलन समाप्त कर दिया।

फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी

सफाई कर्मचारी ने महिला पार्षद से की गाली-गलौज

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। नगर पालिका परिषद कोतमा के वार्ड क्रमांक 6 में उस समय हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई जब सफाई व्यवस्था को लेकर वार्ड की महिला पार्षद राजकली मनोज कुमार सोनी और नगर पालिका में पदस्थ सफाई कर्मचारी जुगानी के बीच विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि विवाद इतना बढ़ गया कि सफाई कर्मचारी ने पार्षद के घर पहुँचकर उनके साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दे डाली। यही नहीं, कर्मचारी ने पार्षद एवं उनके पति को फर्जी मुकदमे में फँसाकर जेल भिजवाने की भी धमकी दी। पार्षद राजकली सोनी ने घटना की शिकायत कोतमा थाना पहुँचकर दर्ज कराई है।

सफाई व्यवस्था को लेकर हुआ विवाद

जानकारी के अनुसार, सनातन धर्म का पावन पर्व नवरात्रि 22 सितंबर से प्रारंभ हो गया है। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 6 में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने हेतु पार्षद ने सफाई कर्मचारी को बुलाया। इसी बात को लेकर कर्मचारी जुगानी नाराज हो गया और गुस्से में आकर पार्षद के घर पहुँचा। वहाँ उसने पार्षद के साथ बदतमीजी करते हुए न केवल गाली-गलौज की बल्कि उन्हें अपमानित भी किया। यही नहीं, कर्मचारी ने धमकी भरे लहजे में कहा कि वह महिला पार्षदों को "ऐसी-तैसी" कर देता है और राजकली सोनी व उनके पति मनोज कुमार सोनी को फर्जी मुकदमे में फँसाकर जेल भिजवा देगा।

जनप्रतिनिधियों में नाराजगी

इस घटना से नगर पालिका क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों में आक्रोश व्याप्त है। उनका कहना है कि लोकतंत्र में जनता की सेवा हेतु निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की अब वह हैसियत भी नहीं रह गई कि वे कर्मचारियों से उचित कार्य करा सकें। यदि कार्य कराने पर ही कर्मचारी गाली-गलौज और फर्जी मामलों में फँसाने की धमकी देने लगेंगे तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद चिंता का विषय है। फिलहाल पुलिस ने पार्षद की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

विश्व हिन्दू परिषद अमरकंटक ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज, अमरकंटक। जगत जननी मां नर्मदा के उद्गम स्थल व पवित्र नगरी अमरकंटक में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा नगर की स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। नवरात्रि पर्व के शुभारंभ के अवसर पर परिषद ने नगरवासियों से अपील की है कि माँ दुर्गा की आराधना के इन नौ दिनों में नगर को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने हेतु प्रशासन आवश्यक कदम उठाए। परिषद ने बताया कि नगर में कई स्थानों पर गंदगी फैली हुई है, आवारा पशु घूमते रहते हैं और दुर्गा पंडालों के आसपास पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है। इन्हीं मुद्दों को लेकर आज शाम 4:30 बजे पुलिस थाना अमरकंटक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) एवं थाना प्रभारी को एसडीएम पुष्पराजगढ़ के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस अवसर पर परिषद ने सभी नगरवासियों से निवेदन किया है कि वे आज शाम 4:30 बजे अमरकंटक बस स्टैंड पर एकत्रित होकर ज्ञापन कार्यक्रम में अपनी सहभागिता प्रदान करें।

विधिक सारक्षता एवं जागरूता शिविर किया गया आयोजित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। प्रशिक्षण केन्द्र एसआईएस अनूपपुर में विधिक सारक्षता एवं जागरूता शिविर आयोजित किया गया। साथ ही, शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में उक्त शिविर में विनोद कुमार वर्मा न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर ने बच्चों के मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं एवं उनके संरक्षण के संबंध में विधिक सेवा योजना मौलिक अधिकार, एवं कत्र्तव्य शिक्षा का अधिकार पॉक्सो अधिनियम एवं गुडटच बेडटच के संबंध में जानकारी दी इसी क्रम में बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण की योजना विधिक सहायता, विधिक सलाह मध्यस्थता योजना इत्यादि की जानकारी दी साथ ही नालसा नई दिल्ली नशा मुक्त भारत के लिए नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता और कल्याण मार्गदर्शन योजना के संबंध में बताया कि इस योजना के तहत नशीली दवाओं के दुरूपयोग और अनैतिक तस्करी के खिलाफ जिले के समस्त सार्वजनिक स्थानों पर नशीली दवाओं की लत छुड़ाने और पुनर्वास के संबंध में यह अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने यातायात नियम एवं नालसा टोल फ्री 15100 नंबर के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

धरती के भगवान-वेतन के लिए परेशान

वेतन न मिलने से नाराज डॉक्टरों ने सामूहिक अवकाश की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले की स्वास्थ्य सेवाएँ इन दिनों दोहरी मार झेल रही हैं। एक ओर जनसंख्या के अनुपात में चिकित्सकों की भारी कमी है, वहीं जो डॉक्टर सेवाएँ दे रहे हैं, वे भी अगस्त माह का वेतन न मिलने से परेशान हैं। समय पर वेतन न मिलने से डॉक्टर मानसिक और आर्थिक दबाव में हैं, जिसका सीधा असर स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है। मध्यप्रदेश चिकित्सा अधिकारी संघ, जिला-अनूपपुर ने इस समस्या को लेकर 22 सितम्बर को ज्ञापन सौंपा। संघ ने चेतावनी दी कि यदि 25 सितम्बर तक वेतन भुगतान नहीं हुआ तो डॉक्टर सामूहिक अवकाश पर जा सकते हैं। ऐसी स्थिति में आपातकालीन और सामान्य सेवाएं प्रभावित होंगी जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। डॉक्टरों का कहना है कि पहले से ही जिले की बड़ी आबादी मलेरिया, डेंगू और मौसमी बीमारियों से जूझ रही है। ऐसे में चिकित्सकों की कमी और वेतन संकट से स्वास्थ्य व्यवस्था और चरमरा सकती है। उन्होंने मांग की है कि समय रहते नियमित वेतन, सुविधाएँ और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, जिससे जनता को सुचारु रूप से इलाज मिल सके।